Grade - 1

edufy
publications

नज़ारा

TEACHERS RESOURCE MANUAL

Hindi
Grade 1

Grade - 1

आप से ...

- हमारी पाठ्यपुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित हैं।
- ये छात्र केन्द्रित हैं।
- ये प्रक्रिया पर आधारित हैं।
- ये पाठ्यक्रम पर आधारित हैं।
- ये पाठ्यपुस्तक तथा अभ्यास पुस्तिका दोनों का मिले-जुले रूप हैं।
- इनमें सृजनात्मक और चिंतनात्मक रूप पर ध्यान दिया गया है।
- ये प्रोक्तियों पर आधारित हैं।
- ये सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, चिंतन तथा अध्ययन कौशलों का निरंतर विकास पर आधारित हैं।
- शिक्षक साथी ध्यान से पढ़ें, उसमें दिए हर प्रक्रिया कक्षा में चलाएँ।
- प्रक्रियाओं को कालाँशों में बाँटें।
- वाचन प्रक्रिया और लेखन प्रक्रिया में अधिक ध्यान दें।
- वाचन प्रक्रिया अध्यापिका और छात्र दोनों की ओर से है।
- वैयक्तिक रूप से और दल में वाचन हों। वाचन करते समय कठिन शब्दों के नीचे रेखा खींचें।
- उन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
- लेखन कार्य के पहले वाचन अनिवार्य है। लेखन से जो उपज मिलती है उसका भी वाचन करें।
- लेखन कार्य के बाद प्रस्तुति का अवसर दें।
- किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
- अध्यापिका अपनी प्रक्रिया का स्व-आकलन करें, छात्र को भी अपनी प्रक्रिया के स्व-आकलन का अवसर दें।
- छात्रों के आकलन को अंकित करें।
- अनुबद्‌ध कार्य द्‌वारा प्राप्त ज्ञान को सुदृढ़ बनाएँ।
- कौशल विकास और मानवीय मूल्यों पर विशेष बल दें।

1 प्यारी माँ।

प्रक्रिया 1 सुनें .. सुनाएँ ..

नमस्ते बच्चो,
नमस्ते टीचर।
बंदर, आम और केले के चित्र एक-एक करके दिखाएँ।
यह बालगीत सुनाएँ-

बंदर मामा आओ आओ
केला-आम खाओ खाओ

छात्र आलाप करें।
एक-एक चित्र दिखाकर पूछें-
यह किसका चित्र है?
जवाब देने का अवसर दें।

बंदर मामा आओ आओ
केला-आम खाओ खाओ

और एक बार मिलकर आलाप करें।

> चित्र
> बंदर का चित्र
> आम का चित्र
> केले का चित्र

तितली का चित्र दिखाएँ।
यह बालगीत सुनाएँ-

तितली आई, तितली आई
इधर-उधर से तितली आई

> स्लाइड 2
> तितली का चित्र

छात्र आलाप करें।
तितली का चित्र दिखाकर पूछें।
यह क्या है?
जवाब देने का अवसर दें।

तितली आई, तितली आई
इधर-उधर से तितली आई

और एक बार एकसाथ आलाप करें।
इसी प्रकार लोमड़ी और चिड़िया के चित्र दिखाकर प्रक्रिया चलाएँ।
लोमड़ी

एक लोमड़ी बड़ी सयानी
सबको उल्लू बना देती।

> चित्र
> लोमड़ी का चित्र

चिड़िया

चिड़िया रानी, चिड़िया रानी
कहाँ-कहाँ से आती हो?
इस डाली से उस डाली पर
क्या संदेश लेकर जाती हो?

> चित्र
> चिड़िया का चित्र

प्रक्रिया 2 देखें-पहचानें-बोलें

बंदर, तितली, चिड़िया, लोमड़ी, केला, आम, चींटी, फूल आदि के चित्र दिखाएँ।
छात्र पहचानें- नाम बताएँ।
नाम बोलें- नाम छात्रों से दुहरवाएँ।

ये पंक्तियाँ सुनाएँ

> गाएँ गीत
> खेलें खेल
> सीखें हिंदी
> बढ़ाएँ प्रीत

बार-बार सुनाएँ
बच्चेआलाप करें।

प्रक्रिया 3 खेलें खेल .. बनाएँ मित्र

छात्रों की हाज़िरी पुस्तिका से छात्रों के नाम लें। नुस्खा बना लें। जैसेः

> Rohan A.V.
> रोहन ए.वी.

ये नुस्खे एक बक्से में डालकर मेज़ पर रखें। एक-एक छात्र आकर एक-एक नुस्खा लें, नुस्खे में लिखे नाम पढ़ें। नुस्खा उस छात्र को दें। उसे अपना मित्र बनाएँ। छात्रों से कहें-
अपने को मिला नुस्खा TB के पहले पन्ने में चिपकाएँ। जैसे-

मैं [Rohan A.V. / रोहन ए.वी.] हूँ।

प्रक्रिया 4 जंगल जाएँ..

बालगीत सुनाएँ

जंगल कितना सुंदर है
शोभा फैली अंदर है
ऊँचे-उंचे पेड़ खड़े
फल फूलों से खूब जड़ें।

छात्र इसका आलाप करें। एक और बार एकसाथ आलाप करें।

TB पृष्ठ 8,9

चित्र दिखाकर पूछें- चित्र में क्या-क्या हैं? चित्र में कौन-कौन हैं?
छात्र बताएँ। सहायता करें।

चित्र में फूल है।	चित्र में लोमड़ियाँ हैं।
चित्र में पेड़ हैं।	चित्र में तितलियाँ हैं।
चित्र में पत्ते हैं।	चित्र में बंदर हैं।
चित्र में पहाड़ हैं।	चित्र में चींटी है।

.... है।
छात्र नाम दोहराएँ।

प्रक्रिया 5 देखें मज़ा लूटें..

मातृप्रेम संबंधी विडियो दिखाएँ।
प्रश्नों के द्वारा आशय समझाएँ।
ऐसे एक माँ-बेटे से परिचय पाएँ।
पूछें

चित्र में कौन-कौन हैं?
वे क्या कर रहे हैं?

सुनें .. सुनाएँ ,,
सुनें, लोमड़ी का बच्चा अपनी माँ को बुला रहा है।
दोनों के बीच का संवाद हाव-भाव के साथ सुनाएँ।
छात्रों को सुनने का अवसर दें।
बोलने का अवसर दें।
शब्दों का परिचय दें। आशय समझाएँ।
आशय समझने पर प्रश्न पूछें। उत्तर दुहराएँ।

प्रक्रिया 6 – नाम दें।

लोमड़ी के बच्चे को नाम दें।
नाम बोलने को कहें। श्यामपट पर लिखें। बीच में अपनी तरफ़ से 'रिंकु' लिखें।
रिंकु नाम देंगे?
ठीक है, लोमड़ी के बच्चे को रिंकु बुलाएँ।
कहानी को आगे बढ़ाएँ।
दोनों के संवाद का वाचन करें। छात्र भी वाचन करें। आशय समझाएँ।

पूछें- रिंकु क्या कह रहा है?
लोमड़ी क्या सोच रही है?
लोमड़ी क्या कह रही है?
रिंकु क्या खाएगा?

प्रक्रिया 7 (वर्ण लेखन-प्रक्रिया)
लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

रसीला
सफाई
शाम
यहाँ
थरमस

शब्दों का वाचन करें।
छात्र दुहराएँ।
अक्षर गीत सुनाएँ।
आगे 'र .. र .. रात को आराम करो' दुहराते हुए श्यामपट पर वर्ण लिखें। जैसेः
फिर र (Hollow character) में रंग भरने दें।
आगे वर्ण दो बार लिखवाएँ।
इसी प्रकार अन्य वर्णों को भी एक-एक करके लिखवाएँ।
वर्णों का अभ्यास छात्रों की पुस्तक में करवा दें।
पृष्ठ 28 में चौथा कार्य – 'स' वर्ण से शब्द बनवाएँ।

CE
वर्णों का लेखन कार्य सतत मूल्याँकन का एक पहलू है।

प्रक्रिया 8 कहानी सुनाएँ-

कहानी को आगे बढ़ाएँ।
यहाँ एक छोटी कहानी है।

प्रश्न पूछें- चित्र में कौन-कौन हैं? क्या-क्या हैं?

चित्रों से समझा दें- दलिया, शोरबा, तश्तरी, सुराही।
कहानी सुनाएँ।

एक बार एक बगुला और लोमड़ी की दोस्ती हो गई। लोमड़ी ने शरारत के लिए बगुले को दावत पर बुलाया। तश्तरी में दलिया परोसा। बगुला अपनी लंबी चोंच से कुछ भी नहीं खा पाया। लेकिन लोमड़ी ने खुद ही सारा दलिया चाट-चाटकर खा लिया। अगले दिन बगुले ने लोमड़ी को अपने घर दावत पर बुलाया। लंबी गर्दनवाली सुराही में शोरबा डालकर लोमड़ी के सामने रख दिया। लोमड़ी एक बूँद भी न पी सकी। पर बगुले ने खुद ही सारा शोरबा पी लिया। हम दूसरों के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, वैसा ही हमारे साथ भी होता है।

कहानी कैसी लगी? रसीला बदला।
क्या रिंकु ने कुछ खाया?
नहीं.. खाने को कुछ भी नहीं मिला।
खाना मिलेगा.. तब तक हम कुछ लिखें।

प्रक्रिया 9 (वर्ण लेखन-प्रक्रिया) लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

शब्दों का वाचन करें।
छात्र दुहराएँ।
अक्षर गीत सुनाएँ।
आगे 'ग ग ग गमले में पानी डालो' दुहराते हुए श्यामपट पर वर्ण लिखें। जैसेः
फिर ग (Hollow character) में रंग भरने दें। आगे वर्ण दो बार लिखवाएँ।
इसी प्रकार अन्य वर्णों को भी एक-एक करके लिखवाएँ।
वर्णों का अभ्यास छात्रों की पुस्तक में करवा दें।
पृष्ठ 28 में चौथा कार्य – न वर्ण से शब्द बनवाएँ।
पृष्ठ 29 में पाँचवाँ कार्य शब्द लिखें करवाएँ।
वर्ण और संख्या का परिचय दें।
फिर एक-एक प्रश्न पूछकर लिखवाएँ।

CE
वर्णों का लेखन कार्य सतत मूल्याँकन का एक पहलू है।

प्रक्रिया 10 – पहचानें .. करें ..

सीखे गए वर्णों को रेखांकित करें।
शब्दों का वाचन करें। वर्णों को पहचानें।
रेखांकित करने का अवसर दें।
कहानी को आगे बढ़ाएँ।
शब्द लिखने दें (भर से शरम तक)।
चित्र दिखाएँ। पहचाने खानों के नाम बताने को कहें।
प्रश्न पूछें-
तुम क्या खाते हो?
बोलने दें।

मैं .... खाता हूँ।
मैं .... खाती हूँ।

कहानी को आगे बढ़ाएँ। समझाएँ। संवाद दोहराएँ।
पृष्ठ सं. 28 अभ्यास 3 सही मिलान करवाएँ।

प्रक्रिया 11लिख-लिखते खुश हो जाएँ। (वर्ण-लेखन)

ण, प, ष

प्रक्रिया 12 खेल-खेलते मस्त हो जाएँ।

रिंकु अपने दोस्तों के साथ रेल का खेल खेलता है।
बालगीत का आलाप करें।
छात्र भी आलाप करें।
रेल का खेल कक्षा में खेलने का माहौल बना दें।
एक-एक छात्र को एक-एक डिब्बा मानें।

र

इस प्रकार कागज़ पर लिखकर छात्रों के कुर्ते पर पिन करें। कहें 'र' डिब्बावाला कौन है? आगे आओ। 'स' डिब्बावाला कौन है 'र' के पीछे खड़े हो जाओ। इस प्रकार सभी छात्रों को बुलाएँ और रेलगाड़ी के डिब्बे बनाएँ। उनको खेलने दें।
फिर एक-एक डिब्बे को अलग करें।
'र' डिब्बेवाले एकसाथ खड़े रहें। जैसे वर्णों के अनुसार वे दल हो जाएँ।
'आओ खेलें खेल' का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
र, स, म, न, भ, ग, प वर्णों वाले शब्द पहचानने को कहें। रेखांकित करने दें। लिखने दें।

रेल का खेल खेला? कैसा रहा?
बताएँ तुम्हें कौन-सा खेल पसंद है?

चित्र में से खेलों को पहचानने दें। बोलने दें।
मुझे .... खेल पसंद है। बोलने का अवसर दें। दुहराने दें।

प्रक्रिया 13 लिखें .. सुनें .. समझें ..

बातचीत सुनें - समझें
रिंकुः माँ ... माँ ... माँ ... कहाँ हो? जल्दी आओ, मुझे भूख लग रही है।
लोमड़ीः आई अभी आई।
इस प्रकार सभी के संवादों को मिलाकर वार्तालाप बनाएँ।
उस वार्तालाप का वाचन करें। खंडशः वाचन करने का अवसर दें।
धीरे-धीरे पूरे वार्तालाप का वाचन करें।
रिंकु और माँ के वार्तालाप से कहानी सुनाएँ।

एक जंगल था। उस जंगल में एक लोमड़ी रहती थी। उसके बच्चे का नाम था रिंकु। रिंकु से माँ बहुत प्यार करती थी। रोज़ सुबह वह बाहर जाती थी। रोज़ कहीं से खाना ढूँढ़ निकालकर उसे खिलाती थी। उसे एक दिन खाना नहीं मिला। रिंकु भूख से तड़प रहा था। तब सारस आया। सारस ने कहा- रिंकु पुट्टु खा लो। उसने रिंकु को पुट्टु दिया। रिंकु ने पुट्टु खाया। उसने माँ से कहा- थोड़ी देर खेलेंगे। वह अपने साथियों के साथ खेलकर बहुत खुश हुआ। लोमड़ी अपने रिंकु को खूब प्यार करती थी।

प्रक्रिया 14 नई कहानी - नई मस्ती

हाथी का चित्र दिखा दें। यह बालगीत सुनाएँ। दुहराएँ।

सूँड उठाकर,
पूँछ हिलाकर
आता हाथी
मेरा साथी।

चित्र में कौन-कौन हैं? बोलने का अवसर दें।
कहानी के संवादों का वाचन करें। छात्र भी वाचन करें।
आशय समझाएँ।
पूछें- चिड़िया को क्या बुलाते हैं?
हाथी के बच्चे को क्या बुलाते हैं?
किनका जन्म एक ही दिन हुआ था?
हिग्गी माँ से क्या कहता है?
माँ क्या जवाब देती है?
हिग्गी चीं चीं से क्या कहता है?
चीं चीं क्या जवाब देती है?
हिग्गी को क्या हुआ?
जवाब देने का अवसर दें।
आशय समझाएँ। छात्र संवाद दुहराएँ।

प्रक्रिया 15 मेघ का गर्जन करें।

हा .. हा .. हा .. (मेघ का गर्जन) करें। यह मेघ का गर्जन है। छात्र भी मेघ-सा गर्जन करें।

बेचारा हिग्गी क्या करेगा?

वह खुशी से गाने लगा।
घनन घनन घन ...

बालगीत सुनाएँ। छात्र आलाप करें। एकसाथ आलाप करें।
हाथी और हिग्गी का संवाद सुनाएँ। छात्र वाचन करें।

पूछें- हाथी हिग्गी से क्या कहता है?
क्या तुम्हें बारिश पसंद है?

बोलने का अवसर दें।
बनाएँ गीत – गाएँ गीत -

वर्षा आई वर्षा आई
पानी लेकर वर्षा आई
खुशी लेकर वर्षा आई
मस्ती लेकर वर्षा आई

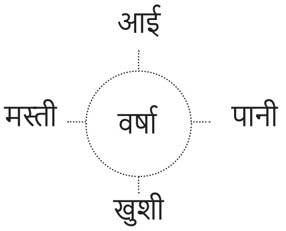

हिग्गी बारिश में नाच रहा है।

प्रक्रिया 16 रंग दें .. बोलें ..

अपनी छतरी खींचें - रंग दें।
बोलें- मेरी लाल छतरी सुंदर छतरी। इस प्रकार अन्य वाक्यों का वाचन करें। अर्थ समझें। रंग समझें।
'समझें बोलें' के शब्दों का वाचन करें। लाल रंगवाले शब्दों का परिचय दें।
ये शब्द छतरी की विशेषता बताते हैं।
छात्रों से अपनी छतरी उठाने को कहें।
गीत सुनाएँ। दुहराएँ।
छतरियों की गिनती करें।
एक से दस तक गिनकर, फिर एक से दस तक गिनें। एक-एक दल बनाएँ।
एक से दस तक कागज़ पर लिखें।
ये नुस्खे छतरी पर पिन करें।
खेल शुरू करें।
छात्रों को गोल दायरे में खड़ा करके बोलने दें।
मेरी छतरी एक नंबरवाली छतरी है।
जैसे दस तक -
फिर दूसरे दल वालों को।
जैसे पूरे छात्रों को बोलने का अवसर दें।

1
एक

पृष्ठ 28 – अपनी छतरी कार्य कराएँ।
पृष्ठ 29 /6 पढ़ें .. लिखें .. कराएँ।
पृष्ठ 30 /7 घड़ी सजाएँ कराएँ।

प्रक्रिया 17 लिख लिखते खुश हो जाएँ।

वर्ण लेखन प्रक्रिया का पालन करें।
स्वर वर्णों के लेखन में ध्यान दें
इनके दो रूप हैं-

1. अपने आप शब्दों में आता है-
   एकता, ऐनक, ऐसा
2. व्यंजनों से मिलकर आता है-
   तेरा, कैसा, ...

व्यंजनों से मिलाने का कार्य ध्यान से समझाएँ।

प्रक्रिया 18

मिलाजुलाकर लिखें।
ट् + ट = ट्ट – चट्टान
लेखन कार्य को समझाएँ।

लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 19 सो जा राजकुमार

रात को नींद आते समय चीं चीं गीत गाती है।
सो जा ... सो जा राजकुमार ... सो जा राजकुमार
ऑडियो सुना दें।
शुभरात .. शुभरात ..
तुम्हें भी माँ लोरियाँ गाकर सुलाती होगी।
क्या वह तुम्हें पसंद हैं?
सो जा राजकुमार हाव-भाव के साथ छात्रों को सुना दें।
मेरी माँ प्यारी माँ है। मेरी माँ अपनी माँ। अपनी माँ सबकी माँ।
छात्र इसका वाचन करें।

प्रक्रिया 20 संवाद को वार्तालाप का रूप दें।

हाथी हिग्गी और चीं चीं के बीच के संवाद को वार्तालाप बनाएँ।
वार्तालाप का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 21 क्या मैं यह कर सकता/सकती हूँ।

हर प्रक्रिया के अंत में हाँ/नहीं अंकित करने का अवसर दें।
पृष्ठ सं. 30/8 लिखें।
9 लिखें।
थ, श, ग, न, म, भ, ण, प, ष, ए, ऐ- ये भी लिखें।
पृ. 31 में दिए शब्द भी लिखें।
फिर वर्णों को पहचान कर गोला लगाने का अवसर दें।
पहले पढ़े-हुए वर्णों को एक बार लिखने का अवसर दें। फिर वर्णमाला के परिचित वर्णों पर गोला लगाएँ।

2 खुशनुमा परिवार

प्रक्रिया 1 - सुन-सुनाकर एक हो जाएँ।

शुभ दिन
बच्चे (एक साथ): शुभ दिन टीचर।
मेरा नाम .... है।
मेरा नाम .... है। (दुहराएँ)
पूछें- तुम्हारा नाम क्या है?
बोलने दें- मेरा नाम .... है। (छात्र का नाम)
हर एक छात्र से पूछें-
बोलने दें-
पाठ्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या 32 पर पहले टीचर अपना नाम लिखें।
टीचर- मेरा नाम .... है।
छात्र- मेरा नाम .... है।
प्रत्येक छात्र को बोलने का अवसर दें।

प्रक्रिया 2 - सुनें ... सुनाएँ ...

रिंकु और हिग्गी की माँ उन्हें प्यार करती हैं। वैसे ही वे अपनी माताओं को प्यार करती हैं।

पूछें:
क्या तुम अपनी माँ से प्यार करते हो?
बोलने का अवसर दें।
तुम्हारी माँ का नाम क्या है?
बोलने दें।
बालगीत सुनाएँ। (तीन-चार बार)
मेरी माँ कितनी अच्छी
मीठे गीत सुनाती है।
छात्र आलाप करें। (तीन-चार बार)
मेरी माँ .... (माँ का नाम जोड़कर) कितनी अच्छी
मीठे गीत सुनाती है।
छात्रों को आलाप का अवसर दें।
मेरे पापा का नाम .... है। दुहराएँ।
सुनाएँ- मेरे पापा कितने अच्छे (तीन-चार बार)
मीठे फल वे लाते हैं।
छात्र आलाप करें। (3-4 बार)
मेरे पापा कितने अच्छे मीठे फल वे लाते हैं।
फिर सुनाएँ-
मेरे पापा (नाम जोड़कर) कितने अच्छे
मीठे फल वे लाते हैं।
छात्र 3-4 बार दुहराएँ।
आगे चार पंक्तियों का आलाप करें।
जैसे मेरी माँ कितनी अच्छी,
मीठे गीत सुनाती है।
मेरे पापा कितने अच्छे
मीठे फल वे लाते हैं।
बच्चे 3-4 बार दुहराएँ।
इन चार पंक्तियों में माँ और पापा का नाम जोड़कर आलाप करें।
मेरी माँ .... कितनी अच्छी,
मीठे गीत सुनाती है।
मेरे पापा .... कितने अच्छे
मीठे फल वे लाते हैं।
बच्चे 3-4 बार दुहराएँ। यही प्रक्रिया आगे की पंक्तियों में भी चलाएँ।
भाई और बहन का नाम जोड़कर भी आलाप करने का अवसर दें।
अंत में पूरे बालगीत का आलाप करें।
उसी प्रकार माँ, पापा, भैया, बहन का नाम जोड़कर पूरे बालगीत का आलाप करें।

प्रक्रिया 3 – देखें - पहचानें - बोलें

एक परिवार संबंधी बिडियो दिखाएँ जिसमें सुबह का दृश्य हो।
विडियो के आधार पर प्रश्न पूछें।
बताने का अवसर दें।
पाठभाग का चित्र दिखाकर प्रश्न पूछें।

चित्र में कौन-कौन हैं?	चित्र में क्या-क्या हैं
लड़का	पौधा
लड़की	पेड़
माँ	बस
पिता	घड़ी
बिल्ली	चित्र
दूधवाला	खाट
	बिस्तर

सुराही
चूल्हा
बर्तन
गिलास
पंखा
साइकिल

चित्र में लड़का क्या कर रहा है?
लड़का सो रहा है।
लड़की क्या कर रही है?
लड़की किताब पढ़ रही है।
माँ क्या कर रही है?
माँ खाना पका रही है।
पिताजी क्या कर रहे हैं?
पिताजी पानी सींच रहे हैं।
दूधवाला क्या कर रहा है?
दूधवाला दूध दे रहा है।
बिल्ली क्या कर रहा है?
बिल्ली बैठ रही है।

इन वाक्यों से बातचीत तैयार करें।
पहला लड़काः लड़का क्या कर रहा है?
दूसरा लड़काः लड़का सो रहा है।
....
....
....
....
बातचीत का वाचन करें।
छात्र समूहवाचन करें।
वाक्य दोहराने का अवसर दें।

प्रक्रिया 4 वाचन करें - पहचानें - समझें।

इकाई के नरेशन का वाचन करें।
यह षाजिल का घर है। देखें क्या कर रहा है?
षाजिल की माँ कहती है- सुप्रभात षाजिल। उठो न छह बज गए।
षाजिल का जवाब क्या है?
सुप्रभात। थोड़ा और सोने दो माँ।
पूछें- क्या षाजिल सो रहा है?
हाँ षाजिल सो रहा है।
अब समय कितना हुआ है?
अब छह बज गए हैं।
षाजिल क्या चाहता है?
षाजिल थोड़ा और सोना चाहता है।

प्रक्रिया 5 लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

पहले सभी शब्दों का वाचन करें।
वाचन कराएँ।
व्यंजन से ए/ऐ मिलाने की प्रक्रिया दिखाएँ।
जैसे- ख् + ए +ल = खेल - ए का चिह्न े
क् + ऐ + सा = कैसा ऐ का चिह्न ै
ए/ऐ वाले शब्दों पर गोला लगाएँ। उन शब्दों को पहले खंभे में लिखने को कहें।
लिखने का अवसर दें। वाचन का अवसर दें।
अन्य शब्दों को ✔ लगाने को कहें।
✔ लगाए शब्दों को दूसरे खंभे में लिखने को कहें। लिखने का अवसर दें। वाचन कराएँ।

प्रक्रिया 6 - बोल-बोलके अच्छी बात सीखें।

सुबह हम क्या-क्या करेंगे?
चित्र/विडियो दिखाता है।
पूछें -
लड़का / बच्चा /लड़की / बच्ची
क्या करता है /करती है?
बोलने का अवसर देता है।
लड़का सोता है। लड़की सोती है।
हर वाक्य सुनाएँ।
दुहराने का अवसर दें।
लड़के वाचन करें।

TB P. 35

स्लाइड/चित्र/विडियो
सोना
बिस्तर से उठना
दाँत साफ करना
नाश्ता करना
नहाना
पढ़ना
कपड़े (वर्दी) पहनना
स्कूल जाना

मैं बिस्तर से उठता हूँ।	मैं बिस्तर से उठती हूँ।
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

Grade - 1

बिस्तर से उठने का चित्र/विडियो दिखाएँ।
अब वह क्या करता है।
वह बिस्तर से उठता है/वह बिस्तर से उठती है।

प्रक्रिया 7 - लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

उ, ऊ, अ, आ स्वर वर्ण हैं।
इन वर्णों की लिखावट के साथ ही व्यंजन के साथ मिलते वक्त मात्राएँ जोड़ने का तरीका भी समझा दें।

हर वर्ण संबंधी बालगीत सुनाएँ-
बच्चों को आलाप का अवसर दें।
तरीका समझा दें। वाक्य दुहराएँ। छात्रों को दोहराने का अवसर दें।
रंग भरने का अवसर दें।
दो-तीन बार लिखने का अवसर दें।
फिर छात्र पुस्तिका में लिखें। उनसे लिखने को कहें।
सुमन, सूर के अलावा दो-तीन उदाहरण दिखा दें।

जैसेः

सुयश	पूरण	पूरन
मनु	मयूर	नूपुर
रास	सारा	शान
गान	मान	भाण
पार	पास	पाश

पढ़ें .. समझें .. के शब्दों का वाचन करें। छात्रों से वाचन करवाएँ।
स्वर मात्रा लगाने पर ज़ोर दें।
यश यार यामा युग यूथ येने
ये तथापि।

प्रक्रिया 8

षाजिल .... खेल रहा है?
दोनों के बीच का शब्द सुनाएँ।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
आशय समझा दें।
षाजिल ने अभी तक क्यों नहीं नहाया?
उत्तर बताने में सहायता दें।
शुद्ध वाक्य में उत्तर दें।
उत्तर दुहराने का अवसर दें।

इस्त्रीः माँ कपड़ा इस्त्री करती है।
यूनिफार्म
मैं स्कूल यूनिफार्म पहचानता हूँ।
वकील अपना यूनिफार्म पहनता है। -

प्रक्रिया 9 – लिख-लिखके खुश हो जाएँ।

लेखन कार्य चलाएँ।
नीचे दिए शब्दों का अभ्यास कराएँ।

तल ताल ताला तुल तूल तेल तैल

प्रक्रिया 10
देखो ... षाजिल की स्कूल बस आ रही है।

बालगीत गाएँ- आ रही है मेरी स्कूल बस।
छात्र आलाप करें।
तीन-चार बार आलाप करें।
आशय समझाएँ। शब्दों का अर्थ समझाएँ।

प्यारी
न्यारी

प्रश्न पूछें- आपको .....
कौन-कौन बस से आते हैं?
बोलने दें। उठने को कहें। गिनें- एक से दस तक – ज्यादा हो तो फिर एक से दस तक।
पूछें- कौन-कौन पैदल आते हैं?
पूछें-बोलने दें- कौन-कौन ऑटो रिक्शा से आते हैं?

लिखें	स्कूल बस	पैदल	ऑटो रिक्शा
जैसेः	10	5	8
हिंदी में	दस	पाँच	आठ

वाचन का अवसर दें।
स्कूल बस का चित्र खींचें।
वैयक्तिक रूप से खींचें।
फिर दलों में परिमार्जन कराएँ।
दलों की प्रस्तुति
वाचन कोने में लटका दें।
षाजिल दस बजे स्कूल पहुँचा। वहाँ प्रातः सभा चल रही है।
प्रार्थना गीत का आलाप करें।
यह मशहूर गीत है। ऑडियो, विडियो सुनाएँ।
एकसाथ गाएँ।
कभी-कभी समयानुसार गाने का अवसर दें।

प्रक्रिया 11

वाचन दिवस पर षाजिल एक कहानी सुनाएगा।
वाचन दिवस का पोस्टर दिखाएँ।

स्कूल का नाम
पता
वाचन दिवस समारोह
2024 जून 19 सुबह दस बजे
प्रार्थनाः
स्वागतः
अध्यक्षः
उद्घाटनः
कवितापाठः
कहानी प्रस्तुतिः षाजिल
धन्यवादः
सबका स्वागत है।

प्रक्रिया 12 – कहानी सुनें ... जोड़ें ...

चित्रवाचन करें।
चित्र में कौन-कौन हैं?
वे क्या करते हैं?
कहानी का संवाद सुनाएँ।
शब्दों का परिचय दें।
आशय समझा दें।
संवाद का अभिनय करा दें।
बोलें -
लहर क्या कर रही है?
बोलने का अवसर दें।
बोर्ड पर लिखें।
वाचन करें।
कहानी का अंतिम संवाद यानी लहर का जवाब पूरा करें।
जैसेः
लहर- 1. कुछ भी हो मैं मिटा दूँगी। यह मेरा काम है।
2. मुझे डर है। कोई देखें तो
3. ....
4. ....
मछुआरे का चित्र दिखाएँ।
पूछें-
यह किसका चित्र है?
मछुआरा।
मछुआरा क्या करता है?
मछलियों को पकड़ता है।
मछुआरा केकड़े को पकड़े तो?
कैसे पकड़ेगा?
उसके पदछाप का पीछा कर तो जल्दी पकड़ सकता है।
इसलिए लहर ने पदछाप को भी जल्दी साफ़ कर दिए। क्या लिखेंगे?

तुम्हारे पदछाप को देखकर मछुआरा आया। मैंने उसे मिटा दिया। पदछाप न पाकर वह भी लौट जाएगा।

इस जवाब को दुहराएँ।
बच्चे भी वाचन करें।
उचित संवाद जोड़कर कहानी की पूर्ति करें। श्यामपट पर कहानी लिखें। बच्चों से वाचन करवाएँ।

प्रक्रिया 13 – बधाई दें ... उमंग भरें।

बच्चों के साथ कक्षा में टीचर।
टीचर षाजिल से पूछें-
षाजिल, यह कहानी कहाँ से मिली?
षाजिल का जवाब छात्र बताएँ।
माँ से
दादी-दादा से
चित्रकथा पुस्तिका से
व्हाट्स आप से
फेसबुक से
जवाब को दुहराएँ। षाजिल को दादी ने यह कहानी सुनायी।
यह अच्छी कहानी है। बधाई।
षाजिलः धन्यवाद।

प्रक्रिया 14 – लिख .. लिखके खुश हो जाएँ।

लेखन प्रक्रिया
स्वर वर्णों का लेखन कार्य है
ये भी लिखने को दें।
रोग रौना
तोरण तौलना
सोना सौरभ

Grade - 1

सर सार सारा सूर सेर सैर सोर
सौर संग

प्रक्रिया 15 – सुनें ... सुनाएँ।

सनल का सफ़र
षाजिल के जैसे सनल के परिवार से परिचय पाएँ।
कहानी को आगे बढ़ाएँ।
संवाद सुनाएँ - समझाएँ।
वे कहाँ जा रहे हैं? बोलने का अवसर दें।

प्रक्रिया 16 लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

संयुक्ताक्षर वाले शब्द दिखाएँ। लेखन प्रक्रिया समझा दें। लिखने को कहें।
ग् + या + र + ह
ग्यारह
सनल के साथ कौन-कौन हैं?
धन्यवाद
अच्छा
बच्चा
नाश्ता
अन्य
पृ. '49/3 लिखें ' करें।
लेखन कार्य पुस्तिका में जारी रखें।

प्रक्रिया 17 – कहानी को आगे बढ़ाएँ।

वे कहाँ पर हैं?
वे क्या कर रहे हैं?
आदमी क्या बेच रहा है?
सनल के परिवारवालों का संवाद सुनाएँ।
वाचन करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रश्नों के द्वारा आशय समझाएँ।
कौन अंधा है?
एक कलम का दाम क्या है?
अन्धे की मदद कौन करता है?
क्या तुमने कभी ऐसा किया है?
जवाब देने का अवसर दें। मदद दें।
बताएँ- दूसरों की सहायता करना अच्छा काम है।
हमेशा दूसरों की सहायता करनी चाहिए।

संवादों का वाचन करें।
वाचन कराएँ।
गिनती शुरू करें।

10 से एक जोड़कर 11 (ग्यारह)

चित्र द्वारा गिनती का वाचन कराएँ।
खेलें-
छात्रों से पेंसिल लेने को कहें।
एक से बीस तक गिनती शुरू करें।
बीस के बाद दुबारा 1 से शुरू करें।
पृ. 49-1 मिलाएँ करें।
सागर तट पर सनल परिवार के साथ खेल रहा है।
संवादों की पूर्ति मौखिक तौर पर करें।
जैसेः माँ- गेंद सनल की ओर मारो।
नहीं पिताजी की ओर।
पिताजी- नहीं सनल की ओर।
संवाद दुहराएँ।
लड़की किसकी ओर गेंद मारेगी?
बोलें- लड़की ने .... की ओर गेंद मारा।

प्रक्रिया 18 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

लेखन प्रक्रिया
लिखने को दें-
बल बाल बाला बिल बील बेल बैल
बोल बौल
वन कनक पवन यमन खाना कब वतन
विमान
पृ. सं. 50-4लिखें। 5 लिखें।

फल फन फसल फारिस फातिमा फिजा
फूल

प्रक्रिया 19 - सनल के आज का दिन

कब →
- उठा?
- स्कूल पहुँचा?
- स्कूल से घर वापस आया?
- समुद्र तट गया?
- समुद्रतट से घर वापस आया?

क्या →
- सीखा?
- खरीदी?

डायरी के अंश का वाचन करें।
वाचन कराएँ।
छात्रों के एक दिन के बारे में प्रश्न पूछें।

विलोम शब्द
कक्षा प्रक्रिया में

प्रक्रिया 20 - मदद करें

सनल को एक चित्र खींचना है।

वह क्या सोचता है?
चित्र में क्या है?
मेंढ़क कहाँ है?
क्या सनल ने चित्र खींचा?

पृ. 49 कार्य 2 नंबर डालकर जोड़ें।
चित्र पहचानें .. बोलें .. जोड़ें।
नंबर 1 का चित्र देखें। छात्र बताएँ कि क्या कर रहा है? उसकी दाई ओर दिए रूप को पढ़ें, पहचानें। उसकी बाई ओर नंबर डालें।
उदा- 2. नहाता है।

प्रक्रिया 21 – सकता/सकती हूँ- पूरा करें।

50-6 वर्ण क, ख, औ का अभ्यास कराएँ।
पुस्तिका में उ ऊ अ आ ओ व ब लिखवाएँ।
50-7 उच्चारण करते हुए शब्द लिखवाएँ।
50-8 पठित वर्णों पर गोला लगाएँ।
पठित वर्णों को एक बार श्यामपट पर लिखें।
उच्चारण करें। समझाएँ। गोला लगाएँ।

3 कहाँ से कहाँ

कहाँ से कहाँ ... लक्ष्यहीन यात्रा का द्योतक है। कहाँ से शुरू होकर कहाँ तक? समस्याओं के सामने निडर यात्रा करनेवाली मेंढ़ू देखें हमसे क्या कहती है?

सुनें ... सुनाएँ ...

बालगीत सुनाएँ

मेंढ़क ....

................कूप मंडूक।

सुनाएँ .. सुनाने का अवसर दें।

बार-बार आलाप कराएँ।

स्कूल का नाम श्यामपट पर लिखें।

छात्र पुस्तिका में स्कूल का नाम लिखें।

पृ. 54- लिखें -नमूने के अनुसार लिखवाएँ।

मटका
दही
खिड़की
चूल्हा
मथनी (മത്ത്)
बर्तन
छींका (ഉറി)

प्रक्रिया 1 - प्रवेश प्रक्रिया

मेंढ़क तथा अन्य जानवरों की छोटी कहानी समझा दें।

कहानी पर प्रश्न पूछें।

जान लें वे कहानी का आशय समझ रहे हैं।

चित्र में कौन-कौन हैं?

चित्र में क्या-क्या हैं?

चित्र दिखाकर पूछें। जवाब देने का अवसर दें।

शब्द दुहराएँ।

बच्चो, यह चित्र हमारे सनल ने खींचा था। इस चित्र के लिए उसे पुरस्कार भी मिला था।

दही के मटके में मेंढ़क-मेंढ़किन का वार्तालाप सुनाएँ।

मेंढ़कः नहीं .. नहीं .. मैं तैर नहीं सकता। मैं डूब रहा हूँ।

मेंढ़किनः मक्खन गढ़ रहा है .. धीरे-धीरे बच जाएँ।

संवाद सुनाएँ। बोलने का अवसर दें।

संवाद समझाएँ।

पू

पूछें- मेंढ़क क्या कहता है?

मेंढ़किन क्या कहती है?

देखो मेंढ़किन बच गई। बाहर निकलकर आगे चल रही है। मेंढ़किन को हम मेंढ़ू बुलाएँ।

रास्ते में कौआ नहा रहा है।

मेंढ़किन ने पूछा- मैं भी नहाऊँ?

कौआ और मेंढ़किन के बीच का संवाद श्यामपट पर लिखें।

मेंढ़ू- मैं भी नहाऊँ?

कौआ- तुम क्यों नहाना चाहती हो?

मेंढ़ू- अबतक दही के मटके में थी।

कौआ- आओ, नहा लो।

पूछें- मेंढ़ू क्यों नहाना चाहती है?

जवाब देने का अवसर दें।

प्रक्रिया 2 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

शब्दों का वाचन करें। उच्चारण पर ध्यान दें।

लेखन प्रक्रिया

इन शब्दों को लिखवाएँ।

दस	दास	दासा	दिस	टीलना	दुसार	दूसरा
देस	दैया	दोस	दौरा			
टालना	ढक्कन		दाल	ठठेरा		
टपकना	ढकना	दिल	ठगाना			

पृ. 66/2 करें।

प्रक्रिया 3 देखें-पहचानें-बताएँ।

सब्जियों का परिचय दें।

सब्जी दरबार में दिए गए सब्जियों के चित्र दिखाएँ।

पहचानकर बोलने का अवसर दें।

चित्र में सब्जियों के नाम अंग्रेज़ी या मलयालम में भी दें। हिंदी शब्दों का ठीक उच्चारण करके दुहराएँ।

सब्जी दरबार सुनाएँ।

आलाप का अवसर दें।

दो-दो पंक्तियाँ दुहराएँ।

आशय समझा दें।

सब्जियों का परिचय पाकर बोलने दें।

सुने-पढ़ें में दिए सब्जियों का परिचय दें।

वाचन करें।

वाचन का अवसर दें।

आगे सब्जियों की बातचीत सुनाएँ।

अर्थ समझा दें। आशय समझा दें।
संवाद को दुहराने का अवसर दें।
मंचीकरण की तैयारी करें।
बच्चों को चुन लें। पूछें- तुम कौन बनोगे?
उनको संवाद बोलने दें।
अपना-अपना संवाद कंठस्थ करने का समय दें।
एक-दो बार पूर्वाभ्यास का अवसर दें।
कक्षा में प्रस्तुत करने का आयोजन करें।
मंचीकरण का समय दें।
बच्चों को अभिनय का प्रोत्साहन दें।
पृ. 67 मिलाएँ - करें।

कचालू	an esculant root
लौकी	gourd
लोबिया	a kind of bean
तोरी	black mustard
टिंडे	an Indian vegetable
सेम	bean
चिंचिड़ा	snake gourd
मेथी	fenugreek
परमल	ज्वार या गेहूँ का भुना हुआ दाना
शलजम	turnip
मूली	Radish
कद्दू	Pumpkin
गोभी	cauliflower

प्रक्रिया 4 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

लेखन कार्य।
ये भी लिखवाएँ।

चल चाल चाला चिलका चील चुल चूल
चेला चैल चोला चौलाई
चुनौती जल जलज ज्वाला चौदह जलना
चौराहा चलना

प्रक्रिया 5 सबसे बोलें

मैं .... हूँ। (टीचर अपना नाम बता दें।)
तुम ....हो। (किसी छात्र का नाम बता दें)
प्रश्न पूछें-
तुम कौन हो?
मैं ....हूँ। (नाम जोड़ें)
मैं लड़का हूँ।
मैं लड़की हूँ।
मैं टीचर हूँ।
मैं किसान हूँ।
चित्र में दिए शब्द जोड़कर वाक्य बताने का अवसर दें।
मैं लड़की हूँ।
मैं ....
जैसेः ....
टीचर किसी छात्र से पूछें।
टीचरः मैं कौन हूँ।
छात्रः आप टीचर हैं।
एक छात्र दूसरे छात्र से पूछें- तुम कौन हो?
दूसरा छात्रः मैं .... हूँ।
जैसेः चित्र में दिए शब्द जोड़कर वाक्य बताने को कहें।
तुम लड़की हो।
तुम किसान हो।

प्रक्रिया 6 – लिख-लिखके खुश हो जाएँ।

शब्द पढ़ें - वर्ण पहचानें - वर्णगीत सुनाएँ।
लेखन कार्य चलाएँ।
ध्यान दें- इ/ई स्वर वर्ण हैं। इनके लेखन के दो कार्य हैं-
1. स्वर वर्ण का लेखन
2. व्यंजन के साथ स्वर मात्रा जोड़कर लेखन

हल हाल हाला हिलना हीला हुलसी हूल
हेला हैजा होली हौल
झंडा हवा डालना इमली ईख किताब कील

प्रक्रिया 7 जाएँ चिड़ियाघर – देखें अजीब दुनिया।

चिड़ियाघर का चित्र दिखा दें।
जानवरों के चित्र दिखाएँ।
चिड़ियाघर की विडियो दिखाएँ। संभव हो तो ऑगमेंटड रियालिटी के द्वारा जानवरों को दिखा दें। छात्रों के साथ जानवरों का खेल दिखाएँ।

किसने चिड़ियाघर देखा है?
कहाँ पर है?
वहाँ क्या-क्या हैं?
वहाँ कौन-कौन हैं?

बताने का अवसर दें।

'चलो चलें हम चिड़ियाघर' का आलाप करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ। छात्रों का आलाप कार्य चलाएँ। आशय समझाएँ।
दो-दो पंक्तियों का आलाप हो।
पूछें-
हर एक जानवर क्या करता होगा?
आँखें तरेरकर देखता होगा?
भालू क्या दिखाता होगा? भालू नाच दिखाता होगा।
जैसे प्रश्नोत्तर द्वारा कविता का आस्वादन कार्य चलाएँ।
मेंढ़ू क्या बोलती है?
बाप रें! इतना बड़ा साँप! मुझे निगलेगा।
मेंढ़ू किससे डरती है?
मेंढ़ू क्यों डरती है?
साँप मेंढ़ू को क्या करेगा?
प्रश्नों के उत्तर देने को कहें।
जवाब दोहराएँ।

प्रक्रिया 8 – गिन गिन कर सीखें।

चिड़ियाघर के घेरों में नंबर डाला है।
ये नंबर पहले दिखा दें।
बोलें 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30
21 को क्या कहें - बीस जोड़ एक -इक्कीस।
22 को क्या कहें - बीस जोड़ दो -बाईस।
23 को क्या कहें - बीस जोड़ तीन -तेईस
24 को क्या कहें - बीस जोड़ चार – चौबीस
25 को क्या कहें - बीस जोड़ पाँच - पच्चीस
26को क्या कहें - बीस जोड़ छह – छब्बीस
27को क्या कहें - बीस जोड़ सात - सात्तईस
28 को क्या कहें - बीस जोड़ आठ – अट्ठाईस
29को क्या कहें - बीस जोड़ नौ - उनतीस
30 को क्या कहें - बीस जोड़ दस - तीस
गिनने का अवसर दें।
संख्या देकर बोलने दें।
एक से तीस तक नुसखे पर शब्दों में लिखकर एक बक्से में डालें।
श्यामपट पर एक चार्ट पर 1 से 30 तक लिखें। एक एक नुसखा लेकर पढ़ें। उस संख्या पर पिन करें।
चार्ट पेपर काटकर संख्या और शब्द लिखें।

1 एक

एक मेज़ पर उल्टा रखें। अंकोंवाले कार्ड क्रम से रखें। अक्षरोंवाले कार्ड क्रमरहित रखें। एक छात्र को बुलाकर अंकों के एक कार्ड लेने को कहें। उसका अक्षरों में लिखें चार्ट पेपर ढूँढ़ने को कहें।
छात्रों के सामने अप्रैल 2024 का कलेंडर प्रस्तुत करें। छात्रों को रिक्त स्थानों को भरने का निर्देश दें।

अप्रैल 2024 का कलैंडर						
	1एक	2	3	4 चार	5	6 ....
7 सात	8	9	10 दस	11	12	13 तेरह
14	15	16 सोलह	17	18	19 उन्नीस	20 ......
21	22 बाईस	23	24	25 पच्चीस	26	27 ....
28 अट्ठाईस	29	30				

प्रक्रिया 9 – सफ़र जारी करें।

कहानी को आगे बढ़ाएँ।
मेंढ़ू क्या बोलती है?
मेंढ़ू की सोच बताएँ।
रोषन, सफ़िया और दीपा की बातचीत का वाचन करें।
छात्रों से वाचन कराएँ।
शब्दों के अर्थ समझाएँ। आशय समझाएँ।
पूछें मेंढ़ू को क्या हुआ?
अब मेंढ़ू कहाँ पर है?
बोलें-
मेंढ़ू क्या सोचती है?
बताएँ।
वह क्या देख रही है?
वह क्या बोलती है?
मेंढ़ू ने क्या देखा?
उसने देखा- वहाँ एक थिएटर है।
वहाँ कौन-सी फिल्म चल रही है?
बाहुबली-
वह क्या करती है?
वह सिनेमा देखने जाती है।
उसके साथ कौन बैठा है?
उसके साथ एक लड़का है।
मेंढ़की चली थिएटर गीत का आलाप करें।
छात्रों से आलाप कराएँ।
दो-दो पंक्तियों का आलाप हो।
शब्दों का अर्थ समझा दें।
आराम से आशय समझा दें।
प्रश्न पूछें-
वह कब थिएटर चली?
छतरी कहाँ लटकायी थी?

झोला कहाँ पर डाली थी?
झोले में क्या-क्या थीं?
क्या खाया?
वह कैसे सिनेमा देखने चली?
जवाब देने का अवसर दें।
लगी मेंढ़की गाना गाने- क्यों?
जवाब का अवसर दें।
(खाकर-पीकर मस्ती होने से मेंढ़ू गाना गाने लगी।)
फिर वह फ़िल्म खत्म होने से पहले ही थिएटर से बाहर निकलती है। क्यों?
मेंढ़ू भीड़ से डरती है।
भीड़ में आना-जाना मुश्किल है।

प्रक्रिया 10 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

वर्ण गीतों का आलाप करें।
आलाप कराएँ।
वर्णों को पहचानें।
ये भी लिखें- लिखने की प्रक्रिया शुरू करें।
छय छाय छाया छिया छीया छेया छैया छोया छौया
घास घायल घर घरेलू घन धरती धोया ऋषि ऋतु
पृ. 68- 4 अभ्यास करें।

प्रक्रिया 11

मेंढ़ू बाहर निकली। इतने में बारिश आई। पानी बरसने लगा। वह भीग गई।
क्या करना है? उसने देखा।
क्या देखा? बोलने का अवसर दें।
हाँ.. एक रेलगाड़ी ...
चलती रेलगाड़ी में चढ़ने लगी।
वह क्या सोचती है?
यह गाड़ी कहाँ जा रही है?
गाड़ी के अंदर मेंढ़ू ...
मेंढ़ू ने देखा- एक चूहा .. वह डर गई। वह चिल्लाने लगी।
मुझे मत मारो ... मुझे मत मारो।
दोनों के बीच का संवाद सुनाएँ।
वाचन का अवसर दें।
मेंढ़ूः
चूहाः
मेंढ़ूः
चूहाः
मेंढ़ू को अच्छा लगा।
गाड़ी से बाहर जाएँ।
दोनों ने क्या किया?
जवाब देने का अवसर दें।
मेंढ़ू की कहानी से संबंधित वार्तालाप तैयार करें। सुनाएँ। बाचन कराएँ।
मेंढ़ू की कहानी लिखें। कहानी का वाचन करें। वाचन कराएँ।
कहानी समझ में आई। ठीक है?
कहानी पर 2-3 प्रश्न पूछें।
मेंढ़ू कहाँ से बाहर निकली?
किससे मिला?
क्यों नहाया?
सब्जी की दुकान क्यों गई?
दो-तीन सब्जियों के नाम बताइए।
फिर कहाँ चली?
वहाँ किससे डर गई?
कौन-सी फिल्म देखी?
बाहर क्यों आई?
चूहे ने क्या कहा?
वे क्यों गाड़ी से बाहर निकली?
'मैं यह कर सकता/सकती हूँ' की पूर्ति करें।
एक-एक मुद्दा लेकर समझाएँ।
छात्र ✔/X लगाएँ।
पृ. 69 अभ्यास करें।
पहले नीचे दी वर्णमाला से वर्णों का क्रम पहचानें।
फिर उन वर्णों पर नंबर डालें।
उसके बाद अभ्यास6 के पहले शब्द को पहचानें।
दो नंबरवाला आ के ऊपर 2 डालें।
ऐसे नंबर डालकर फिर लेखन कार्य शुरू करें।
यह वाक्य दें।
हूँ (3) रमेश (2) मैं (1)
इन शब्दों को क्रम से लिखें।
मैं रमेश हूँ। वाचन करें। वाचन कराएँ।
जैसे पृ. 68-5 अभ्यास क्रम से लिखने को कहें।
पृ. 69-7 अभ्यास पढ़ें। वर्णों पर गोला लगाएँ।
क्रम से वाचन करें। वाचन करने को कहें। दो-तीन बार कहें।
फिर बताएँ अ से अः तक स्वर वर्ण है।
क से ह तक व्यंजन वर्ण हैं।
स्वर वर्ण बताएँ।
व्यंजन वर्ण बताएँ।
फिर पृ. 70-71- अभ्यास मात्रा जोड़कर लिखने को कहें। यह कार्य पहले 5 वर्णों को लें फिर 5 वर्ण ऐसा पूरे वर्णों को मात्रा जोड़कर लिखने को कहें।
लिखते समय इसका वाचन कराएँ।
फिर पूरा एक बार वाचन कराएँ।

4 हमराही

तीन इकाइयों में वर्णों की लेखन प्रक्रिया जारी रही थी। वर्णमाला के सभी वर्णों को एक बार क्रम से लिखने को कहें। स्वरों और व्यंजनों को अलग लिखने दें। स्वर मात्रा सहित व्यंजनों के लेखन कार्य पर ध्यान दें। समय-समय पर वर्णों का लेखन कार्य चलाते रहें।

प्रक्रिया 1 – वर्णों को याद रखें।

स्वर वर्णों के नुस्खे एक प्लास्टिक कोयन (coin) बक्से में डालें। एक छात्र से एक नुस्खा या कोयन लेकर चार्ट या बोर्ड पर पिन करने को बताएँ।

सभी छात्रों के लिए यह प्रक्रिया चलाएँ।

फिर व्यंजन के नुस्खे/कोयन को लेकर पिन करने को बताएँ।

फिर व्यंजन के नुस्खे/कोयन को लेकर पिन करने को बताएँ। यहाँ वर्णों को क्रम से लगाया नहीं होगा। पूरा होने पर वाचन का अवसर दें।

स्वर
अ आ इ ई ....
....
व्यंजन
क ....
च ....

अं

वर्ण रखने के लिए उनके ऊपर कील (पिन) लगा दें।

प्रक्रिया 2 – शब्द से वर्ण की ओर

शब्दों के नुस्खे दें। शब्दों के वर्णानुसार क्रमबद्ध कराएँ। चार्ट या बोर्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अनल आज इनसान ईमानदार उतरना ऊपर एकता ऐनक ओस औषध कटहल खतरा ग ज घट

ङ चमक छतरी जल झर ञ टपक ठग डर ढक्कन ण

तल थल दल धव नर पल फल बल भव मन यम रव लय वर शहद षट्कोण समय हल

शब्दों का वाचन करें।

छात्रों से वाचन कराएँ।

प्रक्रिया 3 – मात्रा जोड़ें - सही उच्चारण करें।

यह खंड दें। स्वरमात्रायुक्त वर्णों पर रेखा खींचें।

संसार साहसी लोगों के लिए है। कायर हमेशा सोचते रहते हैं, बैठे-बैठे सपना देखा करते हैं। पर साहसी मैदान मार लेते हैं। सफलता साहस की पुत्री है। वह सदा पुरुष और स्त्रियों में रहती है। पूरा जीवन साहस के लिए अर्पण करनेवाले भी हमारे बीच हैं।

रेखा खींचने के बाद उन्हें लिखें। फिर उन्हें वर्णक्रमानुसार लिखें।

प्रक्रिया 4 – जंगल का परिचय पाएँ।

छात्र पहले ही जंगल से, जानवरों से परिचित हैं। अपरिचित जानवरों का परिचय चित्र द्वारा दें।

बालगीत सुनाएँ। आलाप कराएँ।

धरती माता ....

..................हमसे।

दुहराने का अवसर दें।चित्र में कौन-कौन हैं? चित्र में क्या-क्या हैं?

कौन-कौन
मेंढ़क
खरगोश
हिरण
बंदर
कछुआ
केकड़ा
सारस
मधमक्खी
हंस

क्या-क्या
पेड़
कुत्ता
फूल
पानी
तालाब

पूछें - मेंढ़ू को क्या हुआ?

जवाब देने को कहें। छात्रों के जवाब से एक निर्णय लें। वह लिखें।

पूछें- रेलगाड़ी से कूदने पर कहाँ गिर पड़ी?

नीचे गिरने से उसे क्या हुआ?

बताने का अवसर दें।

मेंढ़ू बेहोश पड़ी है। जानवरों की बातचीत सुनाएँ।

वाचन करने का अवसर दें। दोहराएँ।

आशय समझने पर प्रश्न पूछें।

मेंढ़ू को क्यों आश्रम ले जा रहे हैं?

बताने का अवसर दें।

प्रक्रिया 5 - वार्तालाप सुनें बातचीत करें।

आश्रम का चित्र दिखाकर बंदर दादा का परिचय दें।
बंदर दादा क्या कर रहे हैं?
जवाब देने को कहें।
दादा और मेंढू का वार्तालाप सुनाएँ।
हावभाव से वाचन करने का निर्देश दें।
छात्र वार्तालाप सुनाएँ।
आशय समझाएँ। छोटे प्रश्नों से आशय पर पहुँचाएँ।
तालाब के किनारे कौन-कौन हैं?
वे क्या कह रहे हैं?
इनका वार्तालाप सुनाएँ।
वाचन कराएँ।
आशय समझाएँ।
तालाब के किनारे वे सब कैसे रहते हैं?
जवाब दें।

एकता से
शांति से
अनुशासन से

हमें कैसे जीना चाहिए?
जवाब ढूँढ़ निकालने को कहें।
छात्र जवाब दें।
तुम्हारे परिवार में कितने लोग हैं? वे कौन-कौन हैं?
मैं, पिता, माता, भाई, बहन, दादा, दादी, ...
नाम लिखने को कहें। शीर्षक दें - मेरा परिवार।

प्रक्रिया 6 आलाप करें - पंक्तियाँ जोड़ें।

मन करता है .... कविता का आलाप करें।
आलाप कराएँ।
दो-दो पंक्तियों का आशय समझाएँ।
गीत की पूर्ति करने में सहायता दें।
गीत की पूर्ति करें। पूरे गीत का आलाप कराएँ।
गीत की पूर्ति के बाद बताएँ।
सबको अपनी दुनिया महान है।
तुम्हारा मन क्या करता है?
मेरा मन करता है-
चाँद को पकड़ें
खेलें उससे।
बोलने का अवसर दें।
मदद दें कि छात्र अपने मन की बात कहें।
श्यापमट पर लिखें। वाचन करें। वाचन कराएँ।
पुस्तिका में लिखने का निर्देश दें।
चित्र में हम क्या देखते हैं?
तालाब में क्या है?

टीचर वर्शन

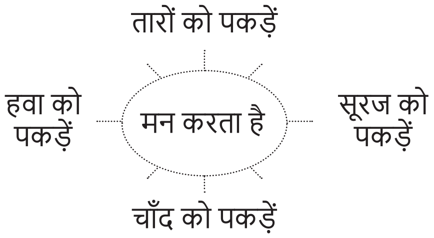

क्या अन्य जानवर किनारे पर हैं?
एक मगरमच्छ है। उसे देख सब डरते हैं।
मगरमच्छ क्या बोलता है?
वाचन करें। वाचन कराएँ। आशय समझाएँ।
क्या दिन एक जीव को देना संभव है?
बोलने का समय दें।
नहीं। यह संभव नहीं है।
तो वे क्या करेंगे?

प्रक्रिया 7 – लिख – लिखकर खुश हो जाएँ। संयुक्ताक्षर सीखें।

क, फ बीच में खड़ी पाईवाले वर्ण हैं।

क् + या = क्या   फ् + लू = फ्लू
रेखांकित करके उसपर ध्यान देने को कहें।
क्यारी फ्लवर
चक्कर शक्कर
अक्ल बक्कड़
ये शब्द लिखने को कहें। संयुक्ताक्षर के नीचे रेखा खींचें।

प्रक्रिया 8 – बचाओ ... बचाओ ...

चिट्‌टी चिड़िया क्या कहती हुई आती है?
चिट्‌टी (चिड़िया), केकट (केकड़ा), गजू (हाथी), मेंढू (मेंढ़किन) और बंदो (बंदर) के बीच का वार्तालाप सुनाएँ।
वार्तालाप का वाचन कराएँ।
शब्दों के अर्थ समझाएँ।
वाचन करें। वाचन कराएँ। आशय समझा दें।
प्रश्न पूछें-
खोटू को किसने पकड़ा?
खोटू को क्या किया होगा?
खोटू वहाँ क्या कर रहा था?
गजू ने क्या कहा?

Grade - 1

मगरमच्छ क्या कहता है?
उसे क्या चाहिए?
मेंढ़ू ने क्या कहा?
क्या वे मगरमच्छ को खाना देंगे? कैसे?
बच्चो, फिर वहाँ एक सभा बुलाई जाती है। वे क्या सोच रहे हैं?
पृ. 80 - एक-एक का संवाद लिखें।
हिरणः
बंदरः
खरगोशः
केकड़ाः
चिड़ियाः
मेंढ़किनः
पूछें-
मेंढ़ू ने क्या कहा?

प्रक्रिया 9 – पढ़ें ... समझें ... 'र' संयुक्ताक्षर।

ये शब्द सुनाएँ। रेखा खींचकर दिखा दें।
ये शब्द सुनाएँ। रेखा खींचकर दिखा दें।
तर्क सूर्य धर्म दर्द
• र् + क = र्क • र् + य = र्य • र् + म = र्म • र् + द = र्द
ऐसे ही पत्र क्रम नम्र ग्रह
• त् + र = त्र • क् + र =क्र • म् +र = म्र • ग् + र = ग्र
बिना खड़ी पाईवाले वर्णों से
ष् + ट् + र = ष्ट्र राष्ट्र
पृ. 86-2अभ्यास लिखें।

प्रक्रिया 10

बंदर दादा के आश्रम में सब पहुँचते हैं। वहाँ प्रार्थना हो रही है।

यह गाँधीजी के आश्रम में आलाप किया जाता है।

रघुपति राघव ......
प्रार्थना गीत का आलाप करें।
छात्र आलाप करें।
इनके वार्तालाप का वाचन करें।
सस्वर वाचन कराएँ।
शब्द – अर्थ – आशय समझा दें।
प्रश्न पूछें।
जानवरों की समस्या क्या है?
मेंढ़ू ने क्यों ऐसा कहा?
बंदर दादा ने क्या कहा?

प्रक्रिया 11 चित्र कहानी का मज़ा लूटें।

चित्रवाचन करें।
प्रश्न-
चित्र में कौन-कौन हैं?
चित्र में क्या-क्या है?
(हर चित्र के प्रति)
संवाद सुनाएँ। वाचन कराएँ।
घटनाएँ समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
अंत में क्या हुआ?
कहानी सुनाएँः
एक जंगल में दो चिड़ियाँ रहती थीं। एक शिकारी ने इनमें से एक को पिंजड़े में .....
कहानी को एक शीर्षक दें।
बंदर दादा का संवाद सुनाएँ।
फिर क्या हुआ?
वे सब मगरमच्छ के पास आए।
मगरमच्छ को कहानी सुनाई गई।
दादा और मगरमच्छ का वार्तालाप प्रस्तुत करें।
सस्वर वाचन कराएँ।
मरमच्छ ने क्या कहा?
क्या समस्या का हल हुआ?
जवाब देने का अवसर दें।
सब खुशियाँ मना रहे हैं। क्यों?
आगे के वार्तालाप का वाचन करें।
वाचन कराएँ।
प्रश्न पूछें-
कहानियाँ कहाँ से मिली हैं?
क्या बच्चों को स्कूल भेजना चाहिए?
इस आश्रम में स्कूल खोलेगा?
यह बताएँ।

शिक्षा सर्वधनात् प्रधान है।
शिक्षा से ही मानव मानव बन जाता है।

प्रक्रिया 12

सभी जानवरों का वार्तालाप घटना क्रम से लिखें।
कहानी तैयार करें।

पृ. 85 'क्या मैं यह कर सकता/सकती हूँ' पूरा करें।

बिनाखड़ी पाईवाले	अंत में खड़ीपाई वाले

पृ. 86-3 अभ्यास तीन खंभों में लिखें करें।

पढ़ें ... भरें ...
पहले बिना खड़ीपाईवाले शब्द पहचान लें। लिखें।
वैसे तीन खंभों को भरें।
पृ. 86 – चित्र कहानी पूरा करके लिखें।
चित्रों को पहचानें।
चित्रों के शब्द को पहचानें।
चित्र जोड़कर वाचन करें।
पूरी कहानी का वाचन करें।
शीर्षक दें।
पृ. 86 डाकिया की कविता पढ़ें।
प्रश्नों के जवाब लिखें।
डाकिए का चित्र खींचे।
A4 शीट में खींचकर नाम लिखकर प्रस्तुत कराएँ।
पृ. 87 कहानी का वाचन करें।
आशय समझें।
प्रश्नों के उत्तर लिखें।
कहानी के अंतिम भाग पर प्रश्नों द्वारा चर्चा करें।
कहानी की पूर्ति करें।
पूरी कहानी लिखें।
पृ. 87-6 अभ्यास के शब्दों का परिचय दें।
फिर भरने को कहें।

सात
चौबीस
इकतीस
बारह
चार